रक्षा उपकरणों के लिए नहीं आयात होगी निर्माण सामग्री

- स्ट्रैटजिक कांपलेक्स के शुभारंभ से लंबी छलांग
- एमएसएमई सेक्टर को भी होगा लाभ, रोजगार बढ़ेंगे

जासं ● लखनऊ : रक्षा क्षेत्र में देश आत्मनिर्भरता की तरफ तेजी से कदम बढ़ा रहा है। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के भीतर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने वाली ब्रम्होस मिसाइल नए भारत के रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया के संकल्प और आत्मनिर्भरता का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर उभरी है। रक्षा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल होने जा रही है जिसके तहत अब रक्षा उपकरणों के निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आयात नही करनी पड़ेगी।

लखनऊ के सरोजनीनगर में भटगांव में ही डिफेंस कारीडोर में रविवार को रक्षा मंत्री ने ब्रम्होस मिसाइल के अलावा भारत के पहले स्ट्रैटजिक मैटेरियल्स टेक्नालोजी कांपलेक्स का भी शुभारंभ किया, जो भविष्य में प्रयुक्त होने वाली सामग्री के आयात को पूरी तरह खत्म करने में सहायक बनेगा। लखनऊ की ही पीटीसी कंपनी की सहायक कंपनी एयरोलाय टेक्नोलाजीज रक्षा उपकरणों के निर्माण में प्रयोग होने वाली सामग्री का उत्पादन करेगी। वर्ष 2024 में देश में करीब 14000 हजार करोड़ रुपये से विभिन्न उपकरणों की सामग्री का आयात किया गया जो वर्ष 2026 तक बढ़कर 35 हजार करोड़ हो जाने का अनुमान है। जल्द ही भारत उन गिने चुने देशों शामिल हो जाएगा जो मैटीरियल में पूरी तरह आत्मनिर्भर हैं। कंपनी के निदेशक सचिन अग्रवाल ने जागरण को बताया कि रक्षा उपकरणों में मेक इन इंडिया के प्रधानमंत्री के मंत्र को पूरी तरह साकार किया जा रहा है। रक्षा और एयरोस्पेस में यह बड़ी छलांग है।

विशेषज्ञ भी मान रहे हैं कि राजधानी में डिफेंस सेक्टर में ब्रम्होस और एयरोलाय टेक्नोलाजीज के शुरू होने से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को भी पनपने का मौका मिलेगा। उद्यमी और अमौसी औद्योगिक क्षेत्र के महासचिव रजत मेहरा का कहना है कि जिस तरह से रक्षा सेक्टर में आत्मनिर्भरता बढ़ रही है उससे एमएसएमई इकाइयों के लिए अवसर भी पैदा हो रहे हैं।